

दावा

सम्पादक - दीपक भाई बुद्धदेव

वर्ष - 45

अंक - 270

राजनांदागांव, मंगलवार 18 अगस्त 2026

पृष्ठ - 8

मूल्य - 4.00 रुपए



पता : बल्देव बाग, राजनांदागांव मो. 93004-14726

नितिन नवीन की नई टीम का ऐलान: वंसुधरा राजे, स्मृति ईरानी सहित कई चेहरों को मिली बड़ी जिम्मेदारी

नई दिल्ली। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन सोमवार को अपनी नई टीम का ऐलान किया गया है। इस टीम में पार्टी को मजबूती प्रदान करने के मकसद से कई अहम चेहरों को जगह दी गई है। पार्टी की ओर से इस संबंध में अधिसूचना भी जारी कर दी गई। पार्टी की ओर से राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी पीयूष गोयल, राष्ट्रीय सह कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी राजेश मंगल को दी गई है। वहीं, राष्ट्रीय महामंत्री की जिम्मेदारी बी.एल. संतोष को दी गई है। उधर, सहायक मंत्री पद की जिम्मेदारी शिप्रकाश और सोदान सिंह को दी गई है। वरिष्ठ नेता स्मृति ईरानी को राष्ट्रीय महासचिव और वंसुधरा राजे को उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है। इसके अलावा तीर्थ सिंह रावत, राम माधव, बैजयंत पांडा, डी. पुरदेश्वरी, रेखा वर्मा, वर्षाबेन नरेंद्र भाई दोशी, भारती प्रवीण पवार, मनप्रती सिंह बादल, लाला सिंह आर्य, एम. नागराज, तारिक मंसूर, मधुचंद्र कर को उपाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी दी गई है। उपाध्यक्ष पद के लिए पार्टी की ओर से 13 नेताओं को जिम्मेदारी दी गई है।

वहीं, पार्टी की ओर से महामंत्री पद के लिए आठ नेताओं के नाम पर मुहर लगाई गई। इसमें प्रमुख रूप से विनोद



तावड़े, सुनील बंसल, बिलवल कुमार देव, स्मृति ईरानी, सतीश पुनिया, गजेंद्र पटेल, हरीश द्विवेदी और संजय भाटिया का नाम शामिल है। साथ ही, राष्ट्रीय मंत्री पद पर प्रमुख रूप से कविता पाटीदार, के. सुरेंद्रन, भोला सिंह, प्रदीप यादव, जगदीश ईश्वर भाई पटेल, संदीप पाठक, फ़र्नानो कोन्यक, संगीता यादव, अनिल एंटनी, एम. वेंकटेशन, मनोज टिगा, सिद्धार्थ शंभु, स्वदेश सिंह, मृगाना देव बर्मन, रोहन गुप्ता और जय प्रकाश का नाम शामिल है।

वहीं, नितिन नवीन ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट में कहा, "भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय टीम के सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। अनुभव और ऊर्जा से समृद्ध यह टीम प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में संगठन को नई गति प्रदान करेगी। मुझे पूर्ण विश्वास है कि टीम के सभी सदस्य कार्यकर्ता भाव से संगठन को और अधिक सशक्त बनाते हुए 'विकसित भारत' के संकल्प और राष्ट्रसेवा के ध्येय को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे।"

नितिन नवीन की टीम में 12 महिलाएं

बीजेपी अध्यक्ष नितिन नवीन की नई राष्ट्रीय टीम में 12 महिलाओं को जिम्मेदारी दी गई है। इनमें वंसुधरा राजे, डी. पुरदेश्वरी, रेखा वर्मा, वर्षाबेन दोशी, डॉ. भारती पवार और डॉ. मधुचंद्र कर को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया है। वहीं स्मृति ईरानी को महासचिव बनाया गया है। कविता पाटीदार, फ़र्नानो कोन्यक और संगीता यादव को मंत्री बनाया गया है। इसके अलावा रूप कुमारी चौधरी को महिला मोर्चा अध्यक्ष और प्रीति गांधी को सोशल

बीजेपी की राष्ट्रीय टीम का ऐलान: छत्तीसगढ़ की रूप कुमारी बनी महिला मोर्चा अध्यक्ष, दीपक म्हाके को भी जिम्मेदारी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने पार्टी की नई राष्ट्रीय टीम की घोषणा कर दी है। नई टीम में वरिष्ठ नेताओं के साथ महिला, युवा और संगठन से जुड़े चेहरों को भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां दी गई हैं। नई टीम में छत्तीसगढ़ से रूपकुमारी चौधरी और दीपक म्हाके को महत्वपूर्ण संगठनात्मक जिम्मेदारी मिलने की जानकारी सामने आई है। रूपकुमारी चौधरी को राष्ट्रीय महिला मोर्चा अध्यक्ष और दीपक म्हाके को राष्ट्रीय सोशल मीडिया संयोजक बनाया गया है। महासमूह को लोकसभा सांसद रूपकुमारी चौधरी इससे पहले छत्तीसगढ़ विधानसभा में बसना का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं। भाजपा संगठन में भी वह लंबे समय से सक्रिय रही हैं। 2024 के लोकसभा चुनाव में उन्होंने महासमूह लोकसभा सीट से जीत हासिल की थी। वहीं दीपक म्हाके भाजपा के आईटी और डिजिटल संगठन से लंबे समय से जुड़े रहे हैं। छत्तीसगढ़ भाजपा के आईटी संगठन में उनकी भूमिका के अलावा बिहार भाजपा में भी उन्हें आईटी से जुड़ी

जिम्मेदारी दिए जाने की रिपोर्ट सामने आ चुकी है। नई राष्ट्रीय टीम में उन्हें सोशल मीडिया संयोजक की जिम्मेदारी दी गई है। नई टीम में राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वंसुधरा राजे सिंधिया को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया है। पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी को राष्ट्रीय महामंत्री की जिम्मेदारी दी गई है। राष्ट्रीय महामंत्रियों में विनोद तारवड़े, सुनील बंसल, बिलवल कुमार देव, डॉ. सतीश पुनिया, गजेंद्र पटेल, हरीश द्विवेदी और संजय भाटिया भी शामिल हैं। भाजपा की नई राष्ट्रीय टीम में महिला मोर्चा, युवा मोर्चा, किसान मोर्चा, ओबीसी मोर्चा, अनुसूचित जाति मोर्चा, अनुसूचित जनजाति मोर्चा और अल्पसंख्यक मोर्चा के साथ सोशल मीडिया संगठन को भी अलग-अलग जिम्मेदारियां दी गई हैं। छत्तीसगढ़ के लिहाज से रूपकुमारी चौधरी और दीपक म्हाके की जिम्मेदारी महत्वपूर्ण है। रूपकुमारी चौधरी को राष्ट्रीय महिला मोर्चे की कमान मिली है, जबकि दीपक म्हाके को पार्टी के राष्ट्रीय सोशल मीडिया संगठन की जिम्मेदारी दी गई है।

JPSC-JSSC आंदोलन: झारखंड सरकार का बड़ा फैसला, TDPL की सभी परीक्षाएं और परिणाम रद्द

रांची। झारखंड में JPSC-JSSC परीक्षाओं में कथित गड़बड़ी के खिलाफ छात्रों का आंदोलन सोमवार को 24वें दिन भी जारी रहा। इस बीच छात्रों और सरकार के बीच प्रस्तावित वार्ता होते-होते नहीं हो सकी। हालांकि इस बीच सीएम हेमंत सोरेन ने बड़ा ऐलान कर दिया है। सीएम सोरेन ने टीडीपीएल द्वारा आयोजित सभी परीक्षाएं, टीडीपीएल द्वारा जारी किए गए परिणाम तथा टीडीपीएल के माध्यम से किसी भी उम्मीदवार का चयन या भागीदारी रद्द करने की बात कही है।

सीएम सोरेन ने क्या कहा?

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि आज हमने इस



सीएम हेमंत सोरेन ने किया ऐलान

मामले को अंतिम रूप देने के लिए विशेष कैबिनेट बैठक की। सभी पहलुओं पर विचार करने और समस्याओं का समाधान तलाशने के बाद हमने फैसला लिया है कि टीडीपीएल द्वारा आयोजित सभी परीक्षाएं, टीडीपीएल द्वारा जारी किए गए परिणाम तथा टीडीपीएल

के माध्यम से किसी भी उम्मीदवार का चयन या भागीदारी रद्द की जाती है। इस संबंध में टीडीपीएल द्वारा की गई सभी गतिविधियां भी रद्द कर दी गई हैं।

राहुल की विप्ले से बढ़ा राजनीतिक दबाव

जेपीएससी विवाद के बीच कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को लिखे पत्र से भी मामला राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण हो गया था। राहुल गांधी ने छात्रों की समस्याओं को गंभीरता से लेने और उनके समाधान की दिशा में पहल करने की बात कही थी।

यूजीसी-नेट परीक्षा में गड़बड़ियां: एनटीए में 50 कर्मचारी हटाए गए, छात्रों का फूटा गुस्सा

नई दिल्ली। यूजीसी-नेट परीक्षा में भारी गड़बड़ियों और त्रुटियों के उजागर होने के बाद, एनटीए (नेशनल टेस्टिंग एजेंसी) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 50 से अधिक कर्मचारियों और अधिकारियों को हटा दिया है। प्रश्नपत्रों में तथ्यात्मक, अनुवाद और टाइपिंग संबंधी गलतियों तथा पुराने सवाल दोहराए जाने के कारण छात्रों में भारी आक्रोश है, जिसके चलते दिल्ली में जोरदार प्रदर्शन भी हुए।

एनटीए ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर बताया, तीन विषयों, अंग्रेजी, कॉमर्स और समाजशास्त्र, के संबंध में एनटीए को इनके प्रश्नपत्रों में कई त्रुटियों को लेकर शिकायतें मिली थीं। इसके बाद इन त्रुटियों की जांच और समीक्षा के लिए एक समिति का गठन किया। एनटीए ने बताया कि समिति ने पाया कि इन तीनों प्रश्नपत्रों में कई तथ्यात्मक, टाइपिंग और अनुवाद संबंधी गड़बड़ियां थीं। इनमें प्रमुख विद्वानों के नामों की गलत वर्तनी,

पुस्तकों के शीर्षकों में गड़बड़ी, प्रश्नों की भाषा में त्रुटियां, व्याकरण संबंधी गलतियां, लिंग और वचन के बीच सामंजस्य की गलतियां, विराम चिह्नों की गलतियां और पहले से स्थापित अवधारणाओं के लिए गैर-मानक गूगल शब्द शामिल थे। एनटीए के मुताबिक, इसके अलावा, पहले पृष्ठे जा चुके प्रश्नों को बड़ी संख्या में दोहराया गया था। समिति ने सिफारिश की कि निष्पक्ष और दृढ़-मुक्त परीक्षा के लिए एनटीए को मुताबिक, आरोपी



आयोजित करने के हित में इन तीनों प्रश्नपत्रों की दोबारा परीक्षा आयोजित की जानी चाहिए। इसलिए अब अंग्रेजी, कॉमर्स और समाजशास्त्र के तीनों प्रश्नपत्रों की दोबारा परीक्षा आयोजित की जाएगी। यह परीक्षा निम्नलिखित कार्यक्रम के अनुसार आयोजित की जाएगी- अंग्रेजी और कॉमर्स की दोबारा परीक्षा 9 सितंबर 2026 को जबकि समाजशास्त्र की परीक्षा 10 सितंबर को होगी। एनटीए ने बताया है कि शहर, परीक्षा केंद्र और एडमिट कार्ड से (शेष पृष्ठ 6 पर...)

जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े आतंकी को यूपी एटीएस ने दबोचा, मदरसे की आड़ में चंदा जुटाकर भेजता था पाकिस्तान

लखनऊ। उत्तर प्रदेश एटीएस ने पाकिस्तान स्थित प्रतिबंधित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से कथित तौर पर जुड़े 24 वर्षीय युवक मोहम्मद जफर उर्फ मोहम्मद जहीर को गिरफ्तार किया है। एटीएस के अनुसार, आरोपी मदरसे की आड़ में चंदा जुटाकर पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन को भेजने, सोशल मीडिया पर जैश-ए-मोहम्मद प्रमुख मसूद अजहर की भड़काऊ और जिहादी तस्वीरों को साझा करने तथा लोगों को हिंसक जिहाद के लिए प्रेरित करने में सफल था। एटीएस के मुताबिक, आरोपी मूल रूप से



बिहार के पूर्णिया जिले का रहने वाला है और पूर्व में मेरठ में एक मदरसे में पढ़ाई कर चुका है। सोशल मीडिया के विश्लेषण में उसके द्वारा मसूद अजहर की कथित भड़काऊ और जिहादी तस्वीरों को साझा किए जाने की जानकारी सामने आई। जांच एजेंसी के अनुसार, पूछताछ में जफर ने बताया कि वह ईद के दौरान उसने जैश-ए-मोहम्मद के बारे में पढ़ा और जिहाद तथा मुजाहिदों की शहादत से जुड़ी सामग्री से प्रभावित हुआ। इसके बाद वह मसूद अजहर के प्रभाव में आकर मुजाहिद बनने (शेष पृष्ठ 6 पर...)

सरकार के आर्थिक सलाहकार बोले- ई-20 से गाड़ियों को नुकसान: ई-10 पेट्रोल फिर शुरू हो; पयूल में 30 प्रतिशत एथेनॉल मिलाया तो खाद्य संकट संभव



नई दिल्ली। सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन (CEA) का कहना है कि ई-20 पेट्रोल से गाड़ियों में नुकसान हो रहा है। पुराने टू-व्हीलर्स के लिए ई-10 पेट्रोल की बिक्री फिर से शुरू की जानी चाहिए। नागेश्वरन ने द ईंडियन एक्सप्रेस में लिखे अपने आर्टिकल में कहा कि भारत ने पेट्रोल में एथेनॉल मिलाने का लक्ष्य समय से पहले हासिल करके अरबों रुपए तो बचा लिए, लेकिन अब नया संकट खड़ा हो रहा है। सरकार का दावा है कि पेट्रोल में एथेनॉल मिलाने से कच्चे तेल के इम्पोर्ट में कमी आई है। इससे अरबों रुपए की बचत हुई है।

एथेनॉल की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए गन्ना, मक्का और चावल जैसी खाद्य फसलों को बढ़े पैमाने पर एथेनॉल में बदलने से शुरू की जा रहा है। अगर एथेनॉल बनाने वाली कंपनियां ज्यादा दाम देकर मक्का खरीदने लगेंगी, तो पोल्ड्री और डेयरी इंडस्ट्री के लिए चारा महंगा हो जाएगा। नतीजा यह होगा कि अंडे, चिकन और दूध के दाम बढ़ेंगे, जिससे सीधे तौर पर खाद्य महंगाई को बढ़ावा मिलेगा। वी अनंत नागेश्वरन के मुताबिक देश में इस समय करीब 8 करोड़ पुराने बाइक-

स्कूटर दौड़ रहे हैं। ये पुरानी कार्बोरेटर तकनीक पर चलते हैं, जो BS-IV इंजन नियमों के आने से पहले बनती थीं।

एथेनॉल से चीनी और पानी का संकट

पेट्रोल में एथेनॉल मिलाने का असर अब सोई के बजट और पानी पर भी दिखने लगा है। रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक, इस सीजन में देश के कुल सालाना उत्पादन की करीब 10 प्रतिशत (लगभग 30 लाख टन) चीनी को एथेनॉल बनाने में इस्तेमाल कर लिया गया। इसी वजह से अब सरकार आने वाले सीजन में एथेनॉल के लिए गन्ने के इस्तेमाल पर एक लगाने की सोच रही है, ताकि देश में चीनी की कमी न हो और इसके दाम बेकाबू न हों। इसके साथ ही, एथेनॉल बनाने के चक्र में देश का जलस्तर भी तेजी से गिर रहा है। गन्ना एक ऐसी फसल है जिसे उगाने में बहुत भारी मात्रा में पानी लगता है। मुख्य आर्थिक सलाहकार का कहना है कि हमें सिर्फ एथेनॉल फैक्ट्रियों में लगाने वाले पानी को ही नहीं देखना चाहिए, बल्कि उस गन्ने को उगाने में जो अरबों लीटर भूजल खर्च हो रहा है, उसका हिसाब लगाना भी (शेष पृष्ठ 6 पर...)

हाँ, हूँ मैं दिमागी नक्सली: चिदंबरम के बाद अरविंद केजरीवाल ने भी खुद को बताया दिमागी नक्सली

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (एएपी) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को कहा कि जो व्यक्ति भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) और केंद्र सरकार से सवाल करता है और पूरे भारत में बेहतर सुविधाओं की मांग करता है, वह दिमागी नक्सल है। उन्होंने 15 अगस्त को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की टिप्पणी पर तंज करते हुए यह बात कही।

माइक्रो-ब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म एक्स (पहले ट्विटर) पर एक छोटे से वीडियो में, दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर भगत सिंह और भीमराव रामजी अखंडकर आज जीवित होते, तो प्रधानमंत्री उन्हें भी दिमागी नक्सल कहते। उन्होंने खुद को भी दिमागी नक्सल बताया और कहा कि उन्हें इस बात पर गर्व है क्योंकि वह एक सच्चे देशभक्त हैं।

केजरीवाल ने कहा, प्रधानमंत्री के अनुसार, दिमागी नक्सल वह व्यक्ति है जो सवाल उठाता है और शिक्षा प्रणाली में बदलाव लाना चाहता है। उनके अनुसार, जो लोग अस्पताल और सड़कों जैसी अच्छी सुविधाएं

चाहते हैं, वे दिमागी नक्सल हैं। जो लोग उनसे और बीजेपी से नहीं डरते और विकसित भारत चाहते हैं, वे दिमागी नक्सल हैं। शनिवार को लाल किले की प्राचीर से 80वें स्वतंत्रता दिवस पर बोलते हुए, पीएम मोदी ने दिमागी नक्सलियों को पहचान करने और उन्हें अलग-थलग करने का आह्वान किया; उन्होंने इस शब्द के बारे में ज्यादा विस्तार से नहीं बताया। उनकी इस टिप्पणी से विवाद खड़ा हो गया;

कांग्रेस ने उन पर और बीजेपी पर तंज करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के अनुसार, केंद्र का विरोध करने वाला कोई भी व्यक्ति दिमागी नक्सल है। जब बीजेपी और कांग्रेस के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी था, तब पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री पी. चिदंबरम ने कहा कि वह एक गतिविधि दिमागी नक्सल है। उनकी टिप्पणी की आलोचना बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने की, जिन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के 2006 के उस बयान का जिक्र किया जिसमें उन्होंने नक्सलवाद को भारत के लिए सबसे बड़ी आंतरिक सुरक्षा चुनौती बताया था।



सावन सोमवार पर अशोकधाम मंदिर में भगदड़, 7 श्रद्धालुओं की मौत; 12 से ज्यादा घायल

नई दिल्ली। बिहार के लखीसराय स्थित प्रसिद्ध अशोकधाम मंदिर में सावन के तीसरे सोमवार पर बड़ा हादसा हो गया। भगवान शिव के जलाभिषेक के लिए सुबह बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंचे थे। इसी दौरान अचानक भीड़ बढ़ने से अफरातफरी मच गई और भगदड़ की स्थिति बन गई। हादसे में अब तक 7 श्रद्धालुओं की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि 12 से अधिक लोगों के घायल होने की जानकारी सामने आई है। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया है।

कैसे हुआ हादसा?

प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, सावन के तीसरे सोमवार और नाग पंचमी के कारण अशोकधाम मंदिर में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जुटी थी। इसी दौरान मंदिर की ओर जाने वाले रास्ते पर अचानक



बैरिकेडिंग टूटने के बाद कई श्रद्धालु गिर पड़े और देखते ही देखते भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। कुछ रिपोर्टों में बिजली का पोल गिरने और उसके बाद कंटेंट फैलने की अफवाह से श्रद्धालुओं में घबराहट फैलने की बात कही गई है। हालांकि,

हादसे की पूरी वजह को लेकर प्रशासन की जांच जारी है और अलग-अलग शुरुआती रिपोर्टों में परिस्थितियों का विवरण अलग है। मौके पर पहुंची पुलिस और प्रशासन घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीमों मौके पर पहुंची। राहत-बचाव कार्य शुरू किया गया और घायलों को लखीसराय सदर अस्पताल भेजा गया। कुछ घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है। लखीसराय (शेष पृष्ठ 6 पर...)

उज्जैन के नागचंद्रेश्वर मंदिर में करंट की अफवाह के बाद भगदड़ जैसे स्थिति, कई श्रद्धालु घायल

उज्जैन। उज्जैन के विश्व प्रसिद्ध महाकालेश्वर मंदिर परिसर में आज नागचंद्रेश्वर मंदिर के पास अचानक

भगदड़ जैसे हालात बन गए। परिसर में करंट फैलने की अफवाह के बाद श्रद्धालुओं में डर का माहौल बन गया। इसके बाद भारी भीड़ में लोग इधर-उधर भागने लगे और एक-दूसरे को धक्का देने लगे। घटना के वीडियो भी सामने आए हैं। इनमें महाकाल परिसर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ दिखाई दे रही है। परिसर पूरी तरह बरा हुआ था और बड़ी संख्या में लोग दर्शन के लिए कतार में खड़े थे। अफवाह के बाद भगदड़ जैसे हालात बने और कई श्रद्धालु भीड़ के दबाव में गिर गए। दबाव बढ़ने से कई श्रद्धालुओं की तबीयत बिगड़ गई। 13 श्रद्धालुओं को परिजन और सुरक्षाकर्मी अस्पताल लेकर पहुंचे। सभी का उज्जैन जिला अस्पताल में इलाज जारी है और डॉक्टर उनकी निगरानी कर रहे हैं।

अफसरों ने संभाला मोर्चा

मौके पर मौजूद पुलिस और प्रशासनिक अमले ने स्थिति को संभाल लिया। मंदिर में इन दिनों बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। ऐसे में अफवाह फैलने से कुछ देर के लिए हालात बिगड़ गए। पुलिस के मुताबिक अब स्थिति पूरी तरह नियंत्रित है।

उज्जैन एसपी बोले- 40 हजार लोग कतार में

उज्जैन एसपी प्रदीप शर्मा ने कहा, आज तीन बड़े आयोजन एक साथ हो रहे हैं। भगवान नागचंद्रेश्वर दर्शन शुरू हो चुके हैं। साल में एक बार 24 घंटे के लिए खुलने वाले इस मंदिर के दर्शन के लिए बैरिकेडिंग पर करीब 40 हजार लोग कतार में हैं। श्रद्धालु मीनू ने बताया कि मेरा बेटा नागचंद्रेश्वर मंदिर में दर्शन करने गया था। (शेष पृष्ठ 6 पर...)



अनमोल दावा

अच्छे कर्मों का पेड़ धीरे-धीरे बढ़ता है, लेकिन उसकी छाया पूरी जिंदगी सुकून देती है।

सम्पादकीय

इन बुरे दिनों से राहत कब मिलेगी?

देश की आजादी को 79 वर्ष हुए और हाल ही हमने 80वां स्वतंत्रता दिवस मनाया। किन्तु, इतने लम्बे वर्षों के बाद भी राष्ट्रीयता के जो संस्कार हृदय में मजबूत होने चाहिए थे, वे नहीं हुवे हैं। हमारी राष्ट्रीयता केवल भाषा में, भाषणों में और अधिक से अधिक सतही चर्चाओं में सुनने को मिलती है। विश्व में भारत सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है। लेकिन, लोकतंत्र की विडम्बना यह कि सत्ता बहुत ही शक्तिशाली बन जाती है। ऐसे समय समाज प्रश्नों को पूछना बंद कर देता है। नागरिकों का मौन, यूनिवर्सिटियों का मौन और युवाओं की व्यक्तिगत सफलता पर ध्यान केन्द्रित करना, यह किसी भी लोकतंत्र के लिए अच्छा संकेत नहीं है। इसके विपरीत, जब युवा सिस्टम के पास से जवाब मांगते हैं, तब वह केवल विरोध नहीं है, यह लोकतंत्र की आत्मा की एक नए उथल पुथल का संकेत देती है। आज युवा, जेन जी, शिक्षा, स्पर्धात्मक, परीक्षाओं की विश्वसनीयता और रोजगार के प्रश्नों को लेकर आंदोलनरत है।

देश में भ्रष्टाचार का दायरा इतना बढ़ा है कि यह अब सम्पूर्ण शासन, प्रशासन और समाज तक पहुंचा है। ऐसा कोई भी क्षेत्र नहीं बचा है, जहां भ्रष्टाचार ने प्रवेश न किया हो। कोई भी सरकारी काम बगैर पैसों के नहीं होता। संबंधित अधिकारियों की जेबें जब तक गर्म न हो तो जनता को दफ्तरों के चक्कर लगाने ही पड़ते हैं। ऐसे हालात में केवल एक ही विकल्प “भ्रष्टाचार का आश्रय” रहता है।

उत्तरप्रदेश में बुलडोजर कार्यवाही संबंधित केस में निर्णय देते हुवे इलाहाबाद कोर्ट के न्यायाधीश अतुल श्रीधर ने देश में प्रवृत्तमान भ्रष्टाचार पर तीखी टिप्पणी की थी। उन्होंने कहा था कि राम मंदिर में प्रसाद की चोरी से जुड़ा हाल का ही विवाद प्रमाणिकता के पतन के शीर्ष को प्रतिबधित करता है। भ्रष्टाचार पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा था कि भ्रष्टाचार इतना सामान्य हो गया है कि, जब तक कोई पकड़ा न जाए, तब तक लोग उसे गलत नहीं मानते। ट्रांसपैरेंसी इन्टरनेशनल रैंकिंग में देश का स्थान भी समाज के लिए शर्मनाक नहीं है। कई मर्तबे पढ़ते हैं कि फलाना अधिकारी के निवास स्थान से करोड़ों रूपयों की नगदी, सोना-चांदी व सम्पत्तियां मिली है या कोई राजनीतिज्ञ गैरकानूनी ढंग से अनुपातहीन सम्पत्तियां रखा है। महिला अधिकारी भ्रष्टाचार में फंसी है, इसके बावजूद ऐसी मान्यता है कि महिलाएं भ्रष्टाचार से दूर रहती हैं। भ्रष्टाचार को हमारे समाज ने शिष्टाचार के रूप में अपना लिया है, यह देश का दुर्भाग्य है।

भ्रष्टाचार को नेस्तनाबूद करने सरकारी सूत्रों में बारम्बार ऐसा उल्लेख किया जाता है कि शीर्ष अधिकारी और अग्रणी नेता भ्रष्टाचार के सामने शून्य सहिष्णुता (जीरो टालरेंस) की नीति का दावा करते हैं, परन्तु उनकी नाक के नीचे ही भ्रष्टाचार चालू रहता है। हाल ही, जब एक अधिकारी रिश्तृत लेते हुवे पकड़ा गया था, तब उसने कहा था- “मैं अकेला दोषी नहीं हूँ, यह पैसा ऊपर तक जाता है। उसका कथन सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। परन्तु, लोगों ने इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी थी। न्यायाधीश अतुल श्रीधर ने भ्रष्टाचार के केसों में दोषियों को मृत्युदंड देने का विचार सूचित किया है।

आजादी के 80 वें वर्ष में हमने प्रवेश तो कर लिया है किन्तु महंगाई, यू.एस. टेरिफ संबंधित नई कठिनाइयों ने भारतीय अर्थतंत्र को चिन्ताग्रस्त कर दिया है। हाल ही, आर.बी.आई. की बैठक के बाद देश में महंगाई, आर्थिक स्थिति और जीडीपी के ग्रांथ रेट का वास्तविक चित्र प्रस्तुत किया है। इस बैठक में संकेत दिया गया था कि, आगामी समय में देश के अर्थतंत्र के लिए चुनौतीपूर्ण रहने वाला है। सबसे महत्वपूर्ण, कृषि क्षेत्र में टेक्नालाजी का उपयोग बढ़ाने का है। जल संचय, फसल वैविध्यकरण और प्राइज स्टेबिलाइजेशन फण्ड द्वारा कृषि क्षेत्र को कमजोर मानसून के जोखिम से बचाना होगा। नई टेक्नालाजी तथा नए रोजगारों के द्वारा युवा वर्ग को इस क्षेत्र में आकर्षित करके भारत में टेक्नालाजी आधारित हरित क्रांति करने की महती आवश्यकता है।

ग्रामीण अंचलों में शिक्षा दयनीय स्थिति में है। कहीं शिक्षकों की कमी, जर्जर स्कूलों ने देश की नींव सद्गुण्य प्राथमिक, मीडिल स्कूलों की शिक्षा पर प्रश्न लगा दिया है। ये सभी देशव्यापी प्रदूषण विनाश के राजमार्ग हैं। जिसे देश के नागरिकों ने ही पसंद किया है। हमारे अमूल्य वोट पहले तो ऐसे नहीं थे। हमारा सुयोग्य चयन ही हमारा भविष्य तय करता है। जनता को गुमराह कर, मुख्य मुद्दों से ध्यान हटाकर ओछी राजनीति करना इसे नैतिकता की पराकाष्ठा ही कहना चाहिए।

आधारभूत चुनौतियों से उन्नत विषयों तक - स्वतंत्रता दिवस भाषणों के जरिए भारत के बदलाव की यात्रा

पिछले एक दशक में भारत ने कितनी दूरी तय की है, इसे मापने का एक सरल तरीका है। प्रधानमंत्री के स्वतंत्रता दिवस के भाषणों को सुनना। मोदी सरकार के शुरुआती वर्षों में भाषण उन समस्याओं पर केंद्रित होते थे जिन्हें आज हम सामान्य मान सकते हैं- शौचालय, बिजली, गरीबी, सड़कें, बैंक खाते और उर्वरक की कमी। लेकिन जब प्रधानमंत्री ने इन पर बात की, तो उनके लहजे में एक तत्परता थी। चुनौती यह थी कि जो टूटा हुआ है उसे ठीक किया जाए और जो छूट गए हैं उन तक पहुंचा जाए। वर्षों के दौरान, उनकी शब्दावली में बदलाव आने लगा। बातचीत पहुंच से आकांक्षा की ओर, कमियों को दूर करने से क्षमताओं के निर्माण की ओर, और तात्कालिक समस्याओं को हल करने से ऐसी प्रणालियां बनाने की ओर बढ़ी जो भारत की पहचान को फिर से उन समस्याओं से न बांध सकें। शायद यही कारण है कि लाल किले से लिए गए उनके संबोधनों की अवधि और उनका दायरा अपने आप में एक अलग पहचान बन गया है। जिस प्रधानमंत्री का कार्य जीवन अथक परिश्रम के लिए जाना जाता है, उनके द्वारा लाल किले से देश की यात्रा को प्रस्तुत करने में समर्पित समय बहुत कुछ बर्बाद करता है। ये केवल वार्षिक भाषण नहीं हैं; यदि इन्हें एक साथ पढ़ा जाए, तो ये देश के रूपांतरण के एक चलते-फिरते रिकॉर्ड जैसे प्रतीत होते हैं।

1. शौचालय सेमीकंडक्टर

2014- क्या हम अपनी माताओं और बहनों की गरिमा के लिए शौचालय की व्यवस्था भी नहीं कर सकते? 2026-आज की डिजिटल दुनिया और तकनीक-संचालित युग में, हम चिप के महत्व को समझते हैं। चाहे इलेक्ट्रॉनिक्स का सामान हो, चिकित्सा उपकरण हों या परिवहन प्रणाली, चिप हर जगह अनिवार्य हैं। दुनिया एक ऐसे मोड़ पर पहुंच गई है जहां चिप के बिना पूरी व्यवस्था ठप हो सकती है। यही कारण है कि भारत ने आत्मनिर्भर बनने की दिशा में अपनी सेमीकंडक्टर विनिर्माण क्षमता स्थापित करना शुरू कर दिया है।

2. ग्रामीण सड़कें: उपग्रह - मानवयुक्त अंतरिक्ष मिशन ?

एआई और क्रांति कंयूटिंग

2016: हमारे देश में ग्रामीण सड़कें एक शान्त मुद्दा हैं। प्रत्येक ग्रामीण नागरिक पक्की सड़कों की इच्छा रखता है। 2018: हमारे वैज्ञानिकों ने एक साथ 100 से अधिक उपग्रह प्रक्षेपित किए, जिससे पूरी दुनिया आश्चर्यचकित रह गई। 2024: मैंने देखा है कि चंद्रयान मिशन की सफलता के बाद हमारे स्कूलों और कॉलेजों में विज्ञान और प्रौद्योगिकी में रुचि का एक नया माहौल बना है। 2025: हम अंतरिक्ष में अपने दम पर आत्मनिर्भर भारत गगनयान की तैयारी कर रहे हैं। हम अपने दम पर अपना अंतरिक्ष स्टेशन बनाने की दिशा में काम कर रहे हैं। 2026: आज एआई, क्रांति टेक्नोलॉजी, स्पेस, रोबोटिक्स और डेटा सेंटर का युग है। एक बिल्कुल नया क्षेत्र खुल गया है। उपरती प्रौद्योगिकियां हमें हर पल चुनौती दे रही हैं। इसलिए, हमें अपने देश को केवल दुनिया का बाजार नहीं बनाना है; हमें नवाचार का केंद्र बनना होगा।

3. गरीबी के खिलाफ लड़ाई

2014: यदि भारत के लोग बिना सरकार की ताकत के, बिना हथियारों के और बिना संसाधनों के भी इतने बड़े साम्राज्य को उखाड़ फेंक सकते हैं, तो दोस्तों, आज समय की मांग है कि गरीबी को मिटया जाए, क्या हम गरीबी पर विजय नहीं पा सकते? क्या हम गरीबी को हरा नहीं सकते? मेरे 125 करोड़ प्यारे देशवासियों, आइए हम गरीबी मिटाने का, इसके खिलाफ जीतने का संकल्प लें। 2026: विकसित भारत का संकल्प तभी पूरा होगा जब विकास और न्याय एक साथ चलें। 2014 से पहले केवल 25 करोड़ लोगों के पास सामाजिक सुरक्षा कवच था...हमने एक दशक के भीतर 100 करोड़ देशवासियों को सामाजिक सुरक्षा कवच प्रदान किया है।

4. महिलाओं की गरिमा से लेकर महिला-नेतृत्व वाले आरक्षण तक

2014: हम 21वीं सदी में जी रहे हैं। क्या हमें कभी इस बात का दर्द हुआ है कि हमारी माताओं और बहनों को खूले में शौच के लिए जाना पड़ता है? क्या महिलाओं की गरिमा हमारी सामूहिक जिम्मेदारी नहीं है? गांव की गरीब महिलाएं रात होने का इंतजार करती हैं; जब तक अंधेरा न हो जाए, वे शौच के लिए बाहर नहीं जा सकतीं... क्या हम अपनी माताओं और बहनों की गरिमा के लिए शौचालय की व्यवस्था नहीं कर सकते? 2018: मैं गर्व के साथ भारतीय सशस्त्र बलों की शॉर्ट सर्विस कमीशन में महिला अधिकारियों की नियुक्ति के लिए स्थायी कमीशन देने की घोषणा करता हूं।

कर्तव्यबोध : सशक्त लोकतंत्र की पहली शर्त

- गजेंद्र बख्शी (अधिवक्ता)



स्वतंत्रता केवल अधिकारों का उत्सव नहीं, बल्कि कर्तव्यों का संकल्प भी है। राष्ट्र तभी सशक्त बनता है, जब उसके नागरिक अपने अधिकारों के साथ-साथ अपने दायित्वों का भी ईमानदारी से निर्वहन करें।

समाज को दिशा देने की क्षमता प्रत्येक व्यक्ति में निहित होती है, किंतु उस क्षमता का सकारात्मक उपयोग ही राष्ट्र के निर्माण का आधार बनता है। प्रकृति हमें यही शिक्षा देती है। जिस प्रकार वृक्ष की प्रत्येक शाखा, प्रत्येक पत्ता और प्रत्येक जड़ उसके अस्तित्व को सुदृढ़ बनाते हैं, उसी प्रकार प्रत्येक नागरिक का आचरण राष्ट्र की शक्ति का आधार होता है।

स्वतंत्रता के 79 वर्ष पूर्ण होने के बाद भी हम प्रत्येक नागरिक में राष्ट्र के प्रति समर्पण, अनुशासन और कर्तव्यबोध की भावना को अपेक्षित स्तर तक विकसित नहीं कर पाए हैं। विश्व के अधिकांश लोकतंत्र नागरिकों को अधिकारों के साथ उत्तरदायित्व का भी बोध

लिखने, सुनने और सुनाने की प्रक्रिया अनवरत चलती रहनी चाहिए। स्वतंत्र भारत के 80वें वर्ष में यह विचार-मंथन प्रस्तुत है।

कराते हैं। हमारे यहाँ अधिकारों की चर्चा अधिक हुई, किंतु कर्तव्यों की संस्कृति उतनी सशक्त नहीं बन सकी।

आज आवश्यकता है कि शिक्षा प्रणाली में नागरिक अधिकारों के साथ-साथ मौलिक कर्तव्यों को व्यवहारिक रूप से पढ़ाया जाए। प्राथमिक शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा तक विद्यार्थियों में संविधान के प्रति निष्ठा, राष्ट्रहित, सामाजिक उत्तरदायित्व, अनुशासन, पर्यावरण संरक्षण, सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा और राष्ट्रीय एकता के संस्कार विकसित किए जाएँ। यही संस्कार भविष्य के आदर्श नागरिक का निर्माण करेंगे। लोकतंत्र की मूल संरचना से अधिकांश नागरिक परिचित हैं। हम संविधान की शपथ लेते हैं, राष्ट्रमान का सम्मान करते हैं और राष्ट्रीय पर्व मनाते हैं, फिर भी सार्वजनिक जीवन में



2026: आइए हम उनकी गरिमा को बनाए रखने के लिए आगे आएँ और यह सुनिश्चित करें कि हमारी माताओं और बहनों को जल्द से जल्द विधानसभाओं और लोकसभा में 33प्रतिशत प्रतिनिधित्व मिले, ताकि वे भारत की नीतियों को आकार देने में योगदान दे सकें। यह समय की मांग है और मैं एक बार फिर सभी राजनीतिक दलों से आग्रह करता हूँ कि आएँ और इस कार्य में शामिल हों।

5. किसानों को प्राथमिकता देना

2014: लेकिन, कृषयु मुझे बताएँ कि हमारे किसान आत्महत्या क्यों करते हैं? किसान साहूकार से कर्ज लेता है, लेकिन कर्ज चुकाने में असमर्थ रहता है। वह अपनी बेटी की शादी के लिए कर्ज लेता है, लेकिन चुका नहीं पाता। उसे जिंदगी भर कष्ट सहने पड़ते हैं। वह आत्महत्या का रास्ता चुनता है। ऐसे किसानों के गरीब परिवारों को कौन बचाएगा? 2018: अर्थशास्त्री, किसान संगठन, किसान और साथ ही राजनीतिक दल यह मांग कर रहे थे कि किसानों को उनकी लागत का डेढ़ गुना न्यूनतम सार्वजनिक मूल्य मिलना चाहिए। इस मुद्दे पर सालों तक बहस हुई, फाइनल इधर-उधर घूमती रही, लेकिन बात अटकी रही। आखिरकार हमने फैसला लिया। हमने किसानों को उनकी लागत का डेढ़ गुना MSP देने का सार्वसिक निर्णय लिया। 2025: पिछले साल मेरे देश के किसानों ने खाद्यान्न उत्पादन में पिछले सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए... 4 लाख करोड़ रुपये के कृषि उत्पादों का निर्यात किया गया है। 2026: हमारे किसानों की पहुंच अब वैश्विक बाजारों तक है। एफटीए (FTA) के कारण हमें एक बहुत बड़े बाजार तक पहुंच मिल रही है... हमें खेत से निर्यात बाजार की ओर बढ़ना होगा। चाहे हमारा पारंपरिक व्यंजन हो, हमारे मोटे अनाज (श्री अन्न) हों, हमारे मसाले हों, हमारे फल हों या हमारे फूल हों... आज इस एफटीए के कारण हमारे झींगा (Shrimp) के निर्यात की संभावना बहुत बढ़ गई है।

6. स्टार्टअप इंडिया

2015- मुझे स्टार्टअप को ताकत देनी है और इसलिए, मैं संकल्प लेता हूँ कि आने वाले दिनों में “स्टार्टअप इंडिया” और “स्टैंड-अप इंडिया” होगा। 2016 - आने वाले दिनों में हिंदुस्तान का ऐसा कोई जिला, ऐसा कोई ब्लॉक नहीं होगा जहाँ स्टार्टअप शुरू न हो। क्या भारत यह सपना नहीं देख सकता कि वह स्टार्टअप की दुनिया में दुनिया में नंबर एक बने? आज हम उस स्थिति में नहीं हैं। 2026: हमने कई रास्ते खोले हैं; हमने स्टार्टअप सेक्टर खोला है। अपने देखा होगा कि औसतन 28 वर्ष की आयु के युवाओं के नेतृत्व वाले भारत के निजी स्टार्टअपस ने अपने उपाह्व और रॉकेट लॉन्च किए, जो अपने पहले ही प्रयास में सफल रहे। उन्होंने वास्तव में कुछ उल्लेखनीय हासिल किया है।

7. विनिर्माण/प्रौद्योगिकी में आत्मनिर्भरता

2014: ...इलेक्ट्रिकल से लेकर इलेक्ट्रॉनिक्स तक, “आइए, मेक इन इंडिया”, ऑटोमोबाइल से लेकर कृषि मूल्य संवर्धन तक “आइए, मेक इन इंडिया”, कागज हो या प्लास्टिक, “आइए, मेक इन इंडिया”, उपग्रह हो या पनडुब्बी “आइए, मेक इन इंडिया”। 2025: इसी साल के अंत तक, भारत के लोगों द्वारा भारत में निर्मित “मेड इन इंडिया” चिप बाजार में उपलब्ध होगी। ऑपरिंग सिस्टम से लेकर साइबर सुरक्षा तक, दीप टेक से लेकर ऑर्टोफिशियल इंटेलिजेंस तक, सब कुछ हमारा अपना होगा चाहिए, जिस पर हमारे अपने लोगों की क्षमता केंद्रित हो, हमें दुनिया के सामने उनकी क्षमताओं की ताकत को पेश करना चाहिए। 2026: हमें विनिर्माण क्षेत्र को महत्वपूर्ण रूप से आगे बढ़ाना चाहिए: उत्पादन बढ़ाने के साथ-साथ, हमें छोटे घटकों से लेकर बड़े पैमाने के उत्पादों तक सब कुछ बनाने की

आवश्यकता है। पूरी वैल्यू चेन हमारी होनी चाहिए और हमें इसके साथ आगे बढ़ना चाहिए, हमें घटकों के साथ-साथ पूर्ण विनिर्माण की आवश्यकता है, हमें पूर्ण उत्पाद भी चाहिए। डिजाइन से लेकर विनिर्माण तक, भारत को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में एक विश्वसनीय केंद्र के रूप में उभरना होगा।

8. गांव का विद्युतीकरण-परमाणु ऊर्जा का विस्तार

2015: इन 18,500 गांवों में बिजली के खंभे, बिजली के तार और बिजली पहुंचाने का लक्ष्य अगले 1000 दिनों के भीतर हासिल कर लिया जाएगा। 2026: ऊर्जा सुरक्षा समय की मांग है, और इसलिए, हमने इस दिशा में पहले ही कई कदम उठाए हैं। ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने का एक बड़ा माध्यम परमाणु ऊर्जा है। संसद में शांति (SHANTI) अधिनियम पारित करके, हमने एक नए लक्ष्य की राह प्रकट की है। 2047 तक, हम 100 गीगावाट परमाणु ऊर्जा के लक्ष्य की ओर काम कर रहे हैं। इसी दशक के भीतर, हमने पांच नए परमाणु रिएक्टर शुरू करने का लक्ष्य रखा है।

9. इंटरनेट कनेक्टिविटी

2015: आप कल्पना कर सकते हैं कि गांवों के बच्चों को कितनी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिलेगी, यदि भारत के सभी गांव ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी से जुड़ जाएँ और यदि हम गांवों के हर दूर-दराज के कोने के स्कूलों में दूरस्थ शिक्षा (distance education) देने में सक्षम हों। 2024: हमने वे दिन भी देखे हैं जब हमें 2प्रतिशत के लिए भी संघर्ष करना पड़ता था। हम 6वें के लिए पहले से ही मिशन मोड में काम कर रहे हैं और हम अपनी प्रगति से दुनिया को चौंका देंगे। 2026: इंटरनेट उपयोगकर्ताओं और उपभोक्ताओं की संख्या लगभग चार गुना बढ़ गई है। द्रिद गग पेपेट की संख्या में चार गुना वृद्धि हुई है। डिजिटल लेनदेन में 100 गुना वृद्धि हुई है। हमारा लक्ष्य यह सुनिश्चित करना होगा चाहिए कि “मेड-इन-इंडिया” 6प्रतिशत दुनिया के हर कोने तक पहुंचे। हमें इस दिशा में अपने प्रयासों को गति देनी चाहिए, और इस प्रयास के प्रति हमारी प्रतिबद्धता कम नहीं होनी चाहिए।

10. वामपंथी उग्रवाद / नक्सलवाद

2017: मैं वामपंथी उग्रवाद को अंकुश में लाने के लिए सुरक्षा बलों के प्रयासों की गहराई से सराहना करता हूँ, जिसने इन क्षेत्रों के बहुत से युवाओं को आत्मसमर्पण करने और मुख्यधारा में शामिल होने के लिए प्रेरित किया।2018: वामपंथी उग्रवाद, माओवाद देश का गुरु बहा रहे हैं। हिंसक घटनाएं, लोगों का घरों से भागना और जंगलों में छिपना रोज की बात थी। हमारे सुरक्षा बलों के निरंतर प्रयासों, विकास परियोजनाओं की शुरुआत और लोगों को राष्ट्रीय मुख्यधारा से जोड़ने के प्रयासों के कारण, 126 जिलों को प्रभावित करने वाला वामपंथी उग्रवाद अब घटकर 90 जिलों तक सीमित हो गया है। 2025: एक समय था जब नक्सलवाद ने 125 से अधिक जिलों में जड़ें जमा ली थीं। हमारे आदिवासी इलाके और युवा माओवाद के चंगुल में फंस गए थे। आज, हमने उस संख्या को 125 से अधिक जिलों से घटाकर केवल 20 कर दिया है। 2026: जब आपने हमें 2014 में सेवा करने का अवसर दिया, तो हमने उसी दिन देश को नक्सलवाद से मुक्त करने का संकल्प लिया था। आज मुझे यह कहते हुए खुशी हो रही है कि नक्सली-माओवादी हिंसा में शायद अब अपनी ऑफिस सेंस लेने की ताकत भी नहीं बची है। हम इसे पूरी तरह करने की दिशा में बढ़ रहे हैं। जिन इलाकों में कभी नक्सली गोलियां चलाते थे, जहां की जमीन कभी खून से सनी होती थी, आज उन्हीं नक्सल प्रभावित इलाकों और क्षेत्रों में विकास, विश्वास और प्रयास का तिरंगा शान से लहरा रहा है।

11. बैंक खाते - यूपीआई और वैश्विक फिनटेक प्रभुत्व

2015: आजादी के साठ साल बाद भी... देश के 40 प्रतिशत लोग बिना बैंक खाते के थे... गरीबों के लिए बैंकों के दरवाजे नहीं खुले थे। 2025: हमारा अपना यूपीआई (UPI) प्लेटफॉर्म आज दुनिया को हैरान कर रहा है... अकेले भारत यूपीआई के जरिए 50 प्रतिशत रियल-टाइम लेनदेन कर रहा है। 2026 - हमने यूपीआई और डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर के माध्यम से अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन पहले ही कर दिया है। हमने दुनिया को अपनी ताकत से अवगत कराया है। अब भारत को अपनी डिजिटल पब्लिक टेक्नोलॉजी को दुनिया के हर कोने में ले जाना होगा।

सामयिक चर्चा

कलियुगी कुपुत्र की कथा

खबर, ध्यान से पढ़कर, बोले बानी - “गजाधर! आज हम सुनाते हैं आपको मानपुर थाना के टांगापानी गांव के शराबी बेटे रोहित कुमार की कहानी - हाँ! तो गजाधर! उस शराबी बेटे ने नशे के लिए रूपए न देने वाली अपनी माँ को बाँस के डंडे से पीटकर मौत की नींद सुला दिया। घटना 12 अगस्त हरेली के दिन की है। सभी लोग खेत में पूजा करने गये थे, इसी बीच कलियुगी पुत्र ने शराब के लिए पैसे न देने पर अपनी माँ को गंभीर रूप से घायल कर दिया। इलाज के लिए भरती की गई माँ इलाक़तन बाई नुदुरी ने दम तोड़ दिया। पुलिस ने आरोपी बेटे को अपनी गिरफ्त में ले लिया। गजाधर! आप माँ की हत्या करने वाले ऐसे शराबी बेटे पर क्या कहेंगे?” गजाधर क्रोध कर, बोले-“बानी! इस कलियुगी बेटे जी को या तो आज्ञम कारावास होगा, या वे फांसी चढ़ेंगे। हम तो आज यहीं कहते हैं भाई! सुनिए- “जिसने मात-पिता को माना, उसने धरम-कर्म को जाना।” (सोमवार 17 अगस्त 2026)



गिरीश बख्शी

दावा जनमंच दावा टी.बी. रिपोर्ट

इस सत्र में संसद को विश्व ने मछली बाजार बना दिया. “केवल आरोप लगाऊंगा, जवाब नहीं सुनूंगा” वाह! सरकार तो विपक्ष के हर सवाल का जवाब देने के लिए तैयार थी विपक्ष के इस हठ पूर्ण रवैया से संसद का काम ठप हो जाने के कारण देश को केवल 13 दिनों में 117 करोड़ का नुकसान हुआ। यह देश के नागरिकों के पसोने की कमाई थी. इस नुकसान के लिए पूरा विपक्ष जिम्मेदार है। इसलिए इस नुकसान की भरपाई विपक्ष के सांसदों के वेतन भत्ते में से काट लेना चाहिए। साथ ही 13 दिन का वेतन नहीं करने के कारण इन सांसदों के 13 दिनों का वेतन, भत्ता भी वसूल करना चाहिए। सांसद भी जनता के वेतन भोगी कर्मचारी हैं, जनता के मालिक नहीं। यह दंड जनता की मांग है।

मुरलीधर हरिहारणो, राजनांदागांव

पहला कॉलम...

धूमधाम से मनाया 80वां स्वतंत्रता दिवस महोत्सव

डोंगरगांव (दावा)। अंचल में 80वां स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सभी वर्ग के लोगों ने बड़े ही उत्साह और देश भक्ति की भावना के साथ स्वतंत्रता का उत्सव मनाया। इस अवसर पर जहाँ हर घर तिरंगा अभियान से के तहत शहर-शहर और गांव-गांव के घरों में राष्ट्रीय ध्वज लगाया गया। वहीं स्वतंत्रता दिवस को सभी शासकीय कार्यालयों सहित चौक चौराहे में ध्वजारोहण किया गया। इस बार सबसे खास बात यह रही कि राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम को ससम्मानपूर्ण गायन किया गया।

स्वतंत्रता दिवस पर प्रतिभाशाली बच्चे हुए सम्मानित



डोंगरगांव (दावा)। ग्राम मोहड़ में ग्राम पंचायत परिसर में सरपंच भूषण देवांगन के द्वारा ध्वजा रोहण किया गया। वहीं संस्कृति कार्यक्रम के दौरान बच्चों के द्वारा देशभक्ति गीत में अपनी प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में बच्चों को पुरस्कार वितरण किया गया। इस गरिमामय कार्यक्रम में उप-सरपंच अंकुश देवांगन, ग्राम पटेल शंकरलाल देवांगन, ग्राम प्रमुख भैयालाल देवांगन, आनन्दराम, सेवामा, श्याम लाल, धनसिंग राना, गोपाल देवांगन, बिरसिंग देवांगन सहित समस्त पंचगण के अलावा बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

दूसरे श्रावण मास में बोलबम कांवर यात्रा, बड़ी संख्या में ग्रामीण हुए शामिल



डोंगरगांव (दावा)। श्रावण मास के पावन अवसर पर दूसरे सावन 10 अगस्त 2026 सोमवार के उपलक्ष्य में बोल बम कांवर यात्रा रूप पुष्पसाल के द्वारा दूसरे साल माँ दत्तेश्वरी मंदिर प्रांगण से पूजा करके पवित्र जल लेकर सैकड़ों महिला, पुरुष, बच्चे और युवा कांवर यात्री मोक्षधाम सांकरदहरा बोल बम की नारा एवं शिव भजन से साथ विभिन्न मार्ग से होकर कांवर ध्वजा लेकर शिव की नगरी पहुंचे। इस दौरान जगह-जगह मार्ग में शिव भक्तों की स्वागत व फल-जलपान की व्यवस्था की गई थी। शिव भक्त सांकरादहरा पहुंच कर सभी देवी देवता की पूजा अर्चना करके गांव व देश की खुशहाली की मंगलकामना करके पवित्र जल महोदय को अर्पण किया। यात्रा में मुख्य सहयोग बलराम कुमार श्रीवास व्याख्याता हायर सेकेंडरी स्कूल बेलगाँदी, दुमेश साहू, रामकुमार विश्वकर्मा, पून टांडेकर, रामचरण कल्याण, देवकुमार, नेहा ठाकुर, अनीता, मोहनी, संगीता, सुरेश, विमला, सांता, शशी, वेदवती, वासनी, खेमिन, अमोलाबाई का सहयोग रहा।

प्रेस क्लब में स्वतंत्रता दिवस पर हुआ ध्वजारोहण



डोंगरगांव (दावा)। स्वतंत्रता दिवस के मौके पर स्थानीय प्रेस क्लब भवन में हर्षोल्लास एवं धूमधाम से ध्वजारोहण किया गया। इस दौरान क्लब के अध्यक्ष प्रेम गोस्वामी ने सर्वप्रथम छत्तीसगढ़ महतारी के तैलचित्र पर माल्यार्पण तथा पूजन से कार्यक्रम का शुभारंभ किया। पश्चात् ध्वजारोहण किया गया। इसके बाद राष्ट्रीय तथा राष्ट्रगान का गायन हुआ। इस दौरान परंपरागत उत्साह के साथ सभी ने तिरंगे को सलामी दी। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से पत्रकार बालकृष्ण सिन्हा, गोविन्द गुप्ता, घनश्याम साव, दिवाकर सोनी, टिकू देवांगन, महेन्द्र लेंसारे, देवेन्द्र गुप्ता, दुमन साहू सहित डिजिटल लाइब्रेरी के स्टूडेंट्स व आसपास के नन्हें मुने बच्चे उपस्थित रहे।

भारत स्काउट्स एवं गाइड्स का सदस्यता अभियान 18 अगस्त से, डोंगरगांव में 31 अगस्त तक होंगे पंजीयन

डोंगरगांव (दावा)। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स जिला संघ राजनांदगांव के अंतर्गत विकासखण्ड डोंगरगांव में नए सत्र के लिए सदस्यता अभियान 18 अगस्त से शुरू हो रहा है। विकासखण्ड क्षेत्र का कोई भी इच्छुक नागरिक 31 अगस्त 2026 तक निर्धारित शुल्क जमा कर संगठन की सदस्यता प्राप्त कर सकता है। विकासखण्ड संघ के सचिव टोमन लाल पटेल ने बताया कि संगठन से जुड़ने के लिए साधारण और आजीवन दो श्रेणियों में सदस्यता का प्रावधान किया गया है। जिसमें साधारण सदस्यता और आजीवन सदस्यता आवेदन प्रक्रिया पूर्ण कर किया जा सकता है। अंतिम तिथि सदस्यता फार्म और निर्धारित शुल्क जमा करने के लिए विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी कार्यालय डोंगरगांव में व्यवस्था की गई है। इच्छुक व्यक्ति 31 अगस्त 2026 (दिन सोमवार) शाम 4 बजे तक नन्दकिशोर देवांगन के पास फार्म व शुल्क जमा किया जा सकता है। अधिक जानकारी अथवा मार्गदर्शन के लिए सीधे विकासखण्ड सचिव टोमन लाल पटेल से भी जानकारी लिया जा सकता है।

गांव की महिला समूह के राशन दुकान का संचालन शहर की महिला समूह द्वारा



शहर की महिला समूह को क्षेत्र के भाजपा नेताओं का मिला संरक्षण

अधिकार नहीं मिला तो आंदोलन करने मजबूर होंगी महिला समूह

इस पूरे मामले कि लिखित शिकायत अनुविभागीय अधिकारी डोंगरगढ़ को भी दी जा चुकी है। महिलाओं का आरोप है कि खाद निरीक्षक द्वारा भी कई बार संबंधित पक्ष को शासन का आदेश का पालन करते हुए राशन दुकान का विधिवत सुपुर्दनामा करने के निर्देश दिये गये । लेकिन बड़े बड़े भाजपा नेताओं के दबाव के आगे निर्देशों का पालन नहीं हो पा रहा है।

बेलगांव के महिला स्व सहायता समूह ने प्रशासन से मांग मांग कि है कि शासन के आदेश का डोंगरगढ़ विकासखंड के चार जगहों में ठाकुरटोला (को), पनियाजोब, दत्तेश्वरी पारा, रजा नगर के राशन दुकान का संचालन भी उसी समय बदल दिया गया है। जिसका बिना कोई हस्तक्षेप राशन दुकान का संचालन सुचारु रूप से चल रहा है। इसी प्रकार बेलगांव के राशन दुकान का किसी बिना राजनीतिक दबाव के आदेश का तत्काल पालन करते हुए राशन दुकान का प्रभार गांव के गरीब महिला समूह को सौंपा जाये। समूह के महिलाओं का कहना है कि यदि जल्द कार्यवाही नहीं हुई तो वे लोग लोकतान्त्रिक तरीके से आंदोलन करने को विवश होंगे। यह मामला अब केवल एक राशन दुकान के हस्तांतरण का नहीं बल्कि शासन के आदेशों कि पालन गांव के महिला स्व सहायता समूह के अधिकारों और प्रशासनिक जवाबदारी का प्रश्न बन गया है। अब देखना होगा कि सम्बन्धित अधिकारी आदेशों का पालन करते है या फिर सत्ता में बैठे कुछ नेताओं के दबाव में आते है।

सीएम हेल्पलाइन से लेकर डॉ. रमन सहित जिले के सभी वरिष्ठ जनप्रतिनिधियों से गुहार लगा चुके हैं

बेलगांव की महिला समूह की महिलाओं ने हमारे संवाददाता को बताया की आदेश कांपी की छायाप्रति को लेकर विधान सभा अध्यक्ष डॉक्टर रमन सिंह, डोंगरगढ़ विधायक श्रीमती हर्षिता स्वामी बघेल , सीएम हेल्प लाइन, जिला कलेक्टर से लेकर सहकारी कार्यलयों तक का चक्कर लगा चुके हैं । जहा भी गये सिर्फ आश्वासन हि मिला । अभी तक कोई कार्यवाही नहीं हो पाई है । आदेश जारी होने बाद दुकान का सुपुर्दनामा नहीं होने से प्रशासनिक कार्य प्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं । महिला समूह ने इसे शासन के आदेशों की खुली अवहेलना बताते हुए तत्काल कार्यवाही की मांग की है । महिला समूह का कहना है कि शासन द्वारा राशन दुकान का आबंटन उनके नाम पर विधिवत किया जा चुका है । कई बार गरीब महिलाओं के आग्रह औ निर्देशों के बावजूद दुकान का प्रभार नहीं सौंपा जा रहा है । जिससे समूह कि महिलाओं को आर्थिक नुकसान के साथ मानसिक प्रताड़ना भी झेलनी पड़ रही है । समूह के महिलाओं का आरोप है कि जब वे शासन के आदेशों का हवाला देकर दुकान का प्रभार मांगती है तो सम्बन्धित समिति से जुड़े कुछ लोग विवाद और तनाव का माहौल बनाने का प्रयास कर रहे हैं ।

ग्रामीणों ने जेन जी को आगे कर आंदोलन की बनाई रणनीति

डोंगरगढ़ (दावा)। विकासखंड के वनांचल ग्राम तोतलभरी की प्राथमिक शाला में भवन और शिक्षकों की कमी को लेकर ग्रामीणों द्वारा किए जाने वाले तालाबंदी का असर देखने को मिला। जानकारी मिलते ही शिक्षा विभाग सक्रिय हुआ और संकुल प्राचार्य श्रीमती अर्पणा जाँभुलकर एवं संकुल समन्वयक ने गांव पहुंचकर ग्रामीणों तथा स्कूल से जुड़े लोगों से चर्चा की। विभाग की ओर से एक सप्ताह के भीतर शिक्षक की व्यवस्था करने का आश्वासन दिया गया है।

ग्रामीणों के अनुसार ग्राम तोतलभरी की प्राथमिक शाला का पुराना भवन जर्जर होने के कारण डिस्टेंड किया जा चुका है। नए भवन की स्वीकृति अब तक नहीं होने से स्कूल का संचालन वर्तमान में सामुदायिक भवन में किया जा रहा है। स्कूल में कक्षा पहली से पांचवीं तक करीब 70 बच्चे अध्ययनरत हैं जबकि पांचों कक्षाओं की जिम्मेदारी फिलहाल एक शिक्षक शिवराम वर्मा के भरोसे है।ग्रामीणों की मांग और पूर्व में दी गई आंदोलन की चेतावनी के बाद संकुल प्राचार्य श्रीमती अर्पणा जाँभुलकर एवं संकुल समन्वयक महेंद्र कंवर गांव पहुंचे। उन्होंने ग्रामीणों से चर्चा कर शिक्षक की कमी दूर करने के लिए एक सप्ताह के भीतर व्यवस्था किए जाने का आश्वासन दिया। ग्रामीणों ने भी विभाग के आश्वासन के बाद तत्काल 15 अगस्त को स्कूल में तालाबंदी नहीं करने पर सहमति जताई है।

भवन को लेकर एक माह की मोहलत बैठक में ग्रामीणों ने स्पष्ट किया कि स्कूल

भवन की समस्या का समाधान भी जल्द होना चाहिए। ग्रामीणों ने कहा कि यदि एक माह के भीतर भवन की स्थिति को लेकर ठोस पहल नहीं हुई तो वे आंदोलन करने को मजबूर होंगे। ग्रामीणों ने खैरागढ़-डोंगरगढ़ मार्ग पर बच्चों एवं ग्रामीणों के साथ चक्काजाम करने तथा स्कूल में तालाबंदी की चेतावनी दी है। ग्रामीणों का कहना है कि शिक्षक की व्यवस्था केवल अस्थायी समाधान है। बच्चों के लिए सुरक्षित और स्थायी स्कूल भवन भी जरूरी है। पांच कक्षाओं के करीब 70 बच्चों की पढ़ाई एक शिक्षक के भरोसे चलना गंभीर स्थिति है। ग्रामीणों ने शिक्षा विभाग से भवन निर्माण की स्वीकृति और पर्याप्त शिक्षकों की स्थायी व्यवस्था की मांग की है। बैठक में ग्रामीणों ने कहा कि विकासखंड के कई गांवों की पाठशालाओं में भी भवन और शिक्षकों की कमी जैसी समस्याएं सामने आ रही हैं। विभाग को केवल तोतलभरी ही नहीं बल्कि ऐसे सभी स्कूलों की स्थिति की समीक्षा कर आवश्यक व्यवस्था करनी चाहिए ताकि ग्रामीण अंचल के बच्चों की शिक्षा प्रभावित न हो।

बैठक में एसएमसी अध्यक्ष दुर्गाश वर्मा, तेजराम छेदेया, टिकेश्वर नेताम, दिनेश कुमार मंडावी, हेमंत यादव, गौतम नेताम, प्रकाश कुंजाम शिक्षक शिवराम वर्मा तथा ग्राम पंचायत तोतलभरी के सचिव बालाराम वर्मा मौजूद रहे। ग्रामीणों ने शोक की विभागा द्वारा दिए गए आश्वासन का वे इंतजार करेंगे लेकिन निर्धारित समय में शिक्षक और भवन की समस्या पर ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन का रास्ता अपनाया जाएगा।

बारिश से भरे गढ़े में नहाने उतरे भाई-बहन, डूबने से मौत

अंबागढ़ चौकी/औंधी (दावा)। लगातार हो रही बारिश के चलते डबरी नुमा बने गढ़े में पानी भर गया था। इसी दौरान एक ही परिवार के मासूम भाई-बहन नहाने के लिए पानी में कूद पड़े। नहाते समय दोनों अधिक गहराई वाली जगह पर चले गए और पानी में डूबने से उनकी मौत हो गई। हादसे की जानकारी मिलते ही परिजनों और ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। ग्रामीणों ने दोनों बच्चों की तलाश शुरू की। काफी मशकत के बाद दोनों के शव पानी से बरामद किए गए। घटना के बाद पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। मासूम भाई-बहन की असमय मौत से परिवार में मातम पसरा हुआ है। हादसे ने क्षेत्र के लोगों को झकझोर कर रख दिया है।

आसरा में 80 वें स्वतंत्रता दिवस पर्व मना हर्षोल्लास से

डोंगरगांव (दावा)। जनपद पंचायत के अंतर्गत आने वाले ग्राम आसरा में 80वां स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास एवं देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत आसरा के सरपंच शरद कुमार वैष्णव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने पंचायत प्रांगण में ध्वजारोहण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके पश्चात प्रभात फेरी, राष्ट्रगान एवं विभिन्न देशभक्ति कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अवसर पर स्वर्गीय लक्ष्मणदास वैष्णव की स्मृति में प्रतिभा सम्मान के अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला आसरा की कक्षा 10वीं एवं 12वीं में प्रथम तीन स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को कुल नगद राशि पुरस्कार स्वरूप प्रदान की गई। यह सम्मान स्वर्गीय श्री वैष्णव के पौत्र अतुल वैष्णव के सहयोग से प्रदान किया गया। सरपंच ने

इस प्रेरणादायी पहल के लिए उनका आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर समारोह में प्राथमिक शाला के विद्यार्थियों को विगत वर्षों से निःशुल्क शिक्षा प्रदान कर रहे भानु साहू का भी विशेष सम्मान एवं आभार व्यक्त किया गया। सरपंच श्री वैष्णव ने उनके निःस्वार्थ सेवाभाव की सराहना करते हुए कहा कि बच्चों को निःशुल्क शिक्षा देना समाज के लिए अनुकरणीय एवं प्रेरणादायी कार्य है। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में शाला विकास समिति अध्यक्ष कमलेश्वर उडके, ठेकराम जमुनकर, ग्राम विकास समिति अध्यक्ष टीकम साहू, पवन यादव, ठेकराम विश्वकर्मा एवं मुकेश साहू सहित ग्राम पंचायत के समस्त पदाधिकारी, शिक्षकगण, वरिष्ठ नागरिक, बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं स्कूली बच्चे उपस्थित रहे।

कोटरासरार में धूमधाम से मना स्वतंत्रता दिवस



डोंगरगांव (दावा)। ग्राम पंचायत कोटरासरार में हर्षोल्लास से स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। इस गरिमामय कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सरपंच धनेश्वरी सिंह सहित उपसरपंच गौतम साहू, चंद्रहास सिन्हा, गगन निषाद, डिकेशवरी साहू, विनोद कुमार साहू, किशोर कुमार साहू, डामनी साहू, जंत्री साहू, रुक्मणि साहू, पूर्व सरपंच जनक सिंह, बलिराम साहू, श्री कुमार साहू, सबील साहू प्रधान पाठक सनत कुमार साकरे, गोदावरी शर्मा एवं समस्त शिक्षकगण एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे। स्वतंत्रता दिवस पर स्कूली बच्चों की शतप्रतिशत उपस्थिति रही और बड़े ही उत्साह के साथ इस कार्यक्रम में सम्मिलित हुए।

पेंशनर्स संघ ने स्वतंत्रता दिवस समारोह मनाया



छुईखदान (दावा)। पेंशनर्स संघ सहित बड़ी संख्या में पेंशनर्स सदस्य उपस्थित रहे। वरिष्ठ सदस्य रामकुमार भट्ट शिक्षक 81 वर्ष का संगठन से सक्रियता पर पेंशनर्स संघ के अध्यक्ष लाल जे के वैष्णव ने पेंशनर्स के अध्यक्ष लाल जे के वैष्णव ने सम्मानित किया। स्वतंत्रता दिवस समारोह में देश की आजादी में वीर शहीदों को नमन अवसर पर पेंशनर्स संघ के सुरेश महोबिया, बाबुलाल विश्वकर्मा, मयाराम साहू, डॉ. नंदकिशोर भट्ट, श्रीमती मिथिला महोबिया, गौकराम रजक, मानिक श्रीवास, गणेश महोबिया, रामविलास टण्डेकर, पी.एल.सिन्हा, जितेन्द्र सिंह चौहान, खेमलाल चन्देन,

कल्लूबंजारी में शान से लहराया तिरंगा

कल्लूबंजारी (दावा)। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष 15 अगस्त को शासकीय एवं माध्यमिक शाला प्रांगण कल्लूबंजारी में स्वतंत्रता दिवस समारोह उत्साह पूर्वक धूमधाम से मनाया गया।इस अवसर पर प्रतिभावांन छात्रों एवं उत्कृष्ट शिक्षक को प्रभावशाली कार्य के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्यअतिथि सरपंच चित्रा कोरॉम थे, अध्यक्षता शाला प्रबंधन एवं विकास समिति के अध्यक्ष रामेश्वरी मंडावी ने किया।विशेष अतिथि ग्रामपटेल राजकुमार पटेल, उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के शाला प्रबंधन एवं विकास समिति के अध्यक्ष कामला प्रसाद पटेल, उपसरपंच सुशील कुमार कंवर, पूर्व जनपद सदस्य पुष्पा सिन्हा,शाला प्रबंधन एवं विकास समिति के उपाध्यक्ष नंदकुमार पटेल,संकुल प्राचार्य गौरीश्रीन कुंजाम एवं समस्त पंचगण थे। कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रपिता महात्मा गांधी सहित शहीद वीर सपूतों के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर पूजा अर्चना के साथ हुआ। ध्वजारोहण सरपंच चित्रा कोरॉम ने किया।

इस अवसर पर उत्कृष्ट शिक्षक दिनेश कुमार कुरेटी द्वारा द्वारा प्रदत्त स्मृति चिन्ह एवं नगद राशि प्रदान कर तथा बैच व पुष्प माला पहनाकर आठवीं कक्षा में प्रथम स्थान के लिए उरंसी कंवर एवं ललेश्वर कुमार ताम्रकार ,द्वितीय स्थान के लिए गुंजन कुमार खिलोरिया तथा पांचवी में प्रथम स्थान के साथ नवावय विद्यालय डोंगरगढ़ के लिए चर्यनित होने पर डिकारा कुमार कोमरे को प्रतिभा सम्मान से सम्मानित किया गया तथा कार्यक्रम के सफल

संयोजन के साथ मौलिक राष्ट्रभक्ति गीत की शानदार 0 प्रतिभावान छात्रों एवं उत्कृष्ट शिक्षक का किया गया सम्मान 0 बरसते पानी ने नहीं रोक पाया बच्चों एवं ग्रामीणों का उत्साह

प्रस्तुति के लिए शिक्षक दिनेश कुमार कुरेटी का पुष्पमाला पहनाकर एवं लेखनी भेंडकर सरपंच प्रतिनिधि विष्णु कोरॉम एवं उपसरपंच सुशील कुमार कंवर द्वारा सम्मानित किया गया।

वक्ताओं ने कहा कि लाखों देशभक्तों के बलिदान के बाद यह आजादी हमें मिली है। इस आजादी को बचाय रखना हम सभी भारतीयों की जिम्मेदारी है। शिक्षा के योग्यता को बनाये रखने के लिए शिक्षक,पालक एवं बालक को मिलकर काम करने की जरूरत है। शिक्षा के सहित समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं बच्चों का खास योगदान रहा। पूर्व में शोभराय कांते एवं चुम्पन लाल भुआय के मार्गदर्शन में बच्चों ने प्रभात फेरी निकाली।उद्घाटन भाषण प्रधानपाठक जाकेश साहू, प्रभावशाली संचालन एवं आभार प्रदर्शन दिनेश कुरेटी दिलेर ने किया।

इस अवसर पर बाबूलाल पटेल, रामाधीन कोमरे, टोमन ठाकुर, दिलहरण पटेल, पंचगण, सचिव कांशीराम साहू, व्याख्याता केशरी टेमरे, प्रधानपाठक द्वय उमेन्द्रसिंह मंडावी एवं जाकेश साहू, शिक्षक गण तिलक राम बर्द्ध, शोभराय कांते, अखिलेश्वर सिंह ठाकुर, सुषमा नेताम, गीता कन्नौजे, चुम्पन लाल भुआय, जगन्नाथ नेताम, चन्द्रकुमार उडके, रोमन कुमार साहू, चांदनी कंवर, तुविंटल ध्ववे, रूपाली सिन्हा आदि सहित शासकीय प्राथमिक शाला, माध्यमिक शाला एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कल्लूबंजारी के छात्र-छात्राएं एवं ग्रामवासी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

हायर सेकेंडरी स्कूल बीजाभांठा में मना स्वतंत्रता दिवस



डोंगरगांव (दावा)। स्वतंत्रता दिवस समारोह के अवसर पर हायर सेकेंडरी स्कूल बीजाभांठा में आयोजित विज्ञान प्रदर्शनी में द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को मेडल एवं नगद पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मंडल उपाध्यक्ष डोंगरगांव महेश्वर साहू के हाथों प्रतिभावान छात्र-छात्राओं का सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत सरपंच बसंती कुलदीप, जनभागीदारी समिति अध्यक्ष सुखान साहू, प्रभारी प्राचार्य के. के. साहू, भागवत साहू, अर्जुन साहू, डोमन साहू, योगेश साहू सहित अन्य अतिथिगण उपस्थित रहे।

